PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ़, गुरुवार, 20 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

राम मंदिर चंदा चोरी: फेस रीडिंग से हाजिरी, यहां लगे कैमरे, देरी और गायब रहने...; एंट्री से निकास तक बदले नियम

चढ़ावा चोरी के बाद राम मंदिर में कर्मचारियों पर सख्ती बढ़ गई है। फेस रीडिंग से हाजिरी हो रही है। प्रवेश से निकास तक निगरानी की जा रही है। प्रमुख परिसरों में कैमरे लग गए हैं। देरी और ड्यूटी से गायब रहने पर नोटिस दिया जा रहा है। राम मंदिर और उससे जुड़े परिसरों में तैनात कर्मचारियों की निगरानी अब और सख्त कर दी गई है। कर्मचारियों की उपस्थिति से लेकर ड्यूटी तक पर नजर रखी जा रही है। ड्यूटी पर पहुंचने के दौरान कैमरे के जरिये फेस रीडिंग कराई जा रही है। ड्यूटी पूरी करने के बाद बाहर निकलते समय भी फेस रीडिंग की प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। इसके साथ ही रजिस्टर में कर्मचारियों के आने और जाने का समय भी दर्ज किया जा रहा है। राम मंदिर परिसर के अलावा रामघाट कार्यशाला, तीर्थ यात्री सेवा केंद्र, तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र और रामनिवास में भी कैमरे लगाए गए हैं। इनके जरिये कर्मचारियों की उपस्थिति और गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। ड्यूटी से गायब रहने या लगातार देरी से पहुंचने वाले कर्मचारियों पर भी सख्ती की जा रही है।ऐसे कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर कार्रवाई की जा रही है। फेस रीडिंग और रजिस्टर में दर्ज समय के आधार पर कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है।

1,000 कर्मी कर रहे सेवा

राम मंदिर परिसर में विभिन्न व्यवस्थाओं में करीब 1,000 कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। इनमें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से करीब 300 कर्मचारी लगाए गए हैं। ये कर्मचारी तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र से लेकर तीर्थ क्षेत्र पुरम, यात्री निवास आदि में सेवा दे रहे हैं। इसके अलावा एसआईएस के सुरक्षा कर्मी भी तैनात हैं। इनकी संख्या भी तीन सौ से ऊपर है। वहीं सेना के 35 से अधिक सेवानिवृत्त जवान भी राम मंदिर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

चंपत, अनिल ने बढ़ाई सक्रियता, गोपाल राव भी लौटे अयोध्या

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े पूर्व प्रमुख पदाधिकारियों चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र की सामाजिक सक्रियता अचानक बढ़ने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित एसआईटी की जांच जारी है। चढ़ावा प्रकरण में लापरवाही को लेकर सवालों के घेरे में रहे राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय 25 जुलाई से रामनगरी के मठ-मंदिरों में जाकर साधु-संतों से मुलाकात कर रहे हैं। अब पिछले करीब एक सप्ताह से पूर्व ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र भी विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों में सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने बुधवार को रामकोट की परिक्रमा की। इस दौरान उनका स्वागत भी किया गया। इसी बीच बुधवार को गोपाल राव के दोबारा अयोध्या पहुंचने और राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के बाद चंपत राय से मुलाकात ने भी चर्चाओं को हवा दे दी है। चढ़ावा प्रकरण सामने आने के बाद गोपाल 15 जुलाई को अयोध्या से बाहर चले गए थे। बाद में संघ स्तर पर उनके केंद्र और दायित्व में बदलाव की चर्चा सामने आई थी। चढ़ावा प्रकरण की जांच के बाद अब प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी की रिपोर्ट ट्रस्ट तक पहुंच चुकी है। ऐसे में मंदिर व्यवस्था से जुड़े लोगों की भूमिका और आगे होने वाली कार्रवाई को लेकर भी नजरें बनी हुई हैं।

अनिल मिश्र ने की रामकोट की परिक्रमा

इसी बीच बुधवार को ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने रामकोट की परिक्रमा की। परिक्रमा के दौरान उनका स्वागत भी किया गया। उन्होंने 21 अगस्त को रामकोट की परिक्रमा के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर परिक्रमार्थियों से चर्चा की। परिक्रमा में विहिप के कुछ पदाधिकारियों के अलावा पुजारी रमेश दास, आरपी पांडेय वैद्य सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि मामले के विवेचक की ओर से गलत धाराओं में रिमांड प्रस्तुत किया गया है। जिस कारण से आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल में निरुद्ध हैं। आरोपियों पर लगाए गए आरोपों में अधिकतम सजा सात साल है। बचाव पक्ष पैरवी कर रहे अधिवक्ता ने आरोपियों को उचित अपराध में ही रिमांड की मंजूरी दिए जाने का अनुरोध कोर्ट से किया गया था।

गोपाल राव की वापसी ने भी बढ़ाई हलचल

इसी बीच बुधवार को गोपाल राव के दोबारा अयोध्या पहुंचने और राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के बाद चंपत राय से मुलाकात ने भी चर्चाओं को हवा दे दी है। चढ़ावा प्रकरण सामने आने के बाद गोपाल राव 15 जुलाई को अयोध्या से बाहर चले गए थे। बाद में संघ स्तर पर उनके केंद्र और दायित्व में बदलाव की चर्चा सामने आई थी। करीब एक महीने बाद उनकी अयोध्या वापसी, रामलला के दर्शन और इसके बाद चंपत राय से मुलाकात को मंदिर व्यवस्था से जुड़े घटनाक्रम के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

रिमांड पर उठाए गए सवाल पर सुनवाई 25 को

राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में आरोपियों की ओर से रिमांड पर की गई आपत्ति को लेकर बुधवार को कोर्ट ने सुनवाई की। इस दौरान आरोपियों के अधिवक्ता लीगल एड डिफेंस कौंसिल डिप्टी चीफ कुलशेखर सिंह की ओर से कहा गया कि पुलिस की ओर से दाखिल की रिपोर्ट पर अलग से कोई आपत्ति उन्हें अब दाखिल नहीं करना है। विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम रजत वर्मा ने मामले की सुनवाई के बाद मामले के विवेचक आशुतोष तिवारी को संपूर्ण केस डायरी के साथ अदालत में उपस्थित होने का आदेश पारित किया। साथ ही अगली सुनवाई के लिए 25 अगस्त की तारीख नियत की गई। उल्लेखनीय है कि जेल में निरुद्ध आरोपी रमा शंकर यादव उर्फ टिन्नू, अविनाश, अनुकल्प, लवकुश, मनीष कुमार, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा व सुभाष श्रीवास्तव की ओर से रिमांड पर सवाल उठाते हुए सात अगस्त को अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था।

मौसम का हाल: दिल्ली-UP से उत्तराखंड तक भारी बारिश का अलर्ट, भूस्खलन-बाढ़ का भी कहर; IMD के अनुमान में क्या?

कई राज्यों में मानसून की बारिश आफत बन चुकी है। मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़, जलभराव और भूस्खलन की मार झेलनी पड़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक आज और आने वाले तीन-चार दिन दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड समेत कई प्रदेशों में बारिश होने के आसार हैं। आपके प्रदेश में कैसा रहेगा मौसम का मिजाज?दक्षिण-पश्चिम मानसून पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में कहर बनकर टूट रहा है। बुधवार को जम्मू-कश्मीर से लेकर हिमाचल और उत्तराखंड में ज्यादातर जगहों पर गरज और चमक के साथ मूसलाधार बारिश हुई। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में भारी बारिश के बीच बादल फटा। भारी बारिश से पहाड़ी राज्यों में जगह-जगह भूस्खलन होने से कई मार्गों पर यातायात बाधित हो गया। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में बेली ब्रिज टूटने से सीमावर्ती क्षेत्रों से संपर्क टूट गया। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ समेत उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान में क्या?

अभी कम से कम अगले तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी भारत के कई क्षेत्रों में 20 से 25 अगस्त के बीच भारी बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाओं की भी संभावना जताई गई है।

कर्नाटक कोंकण गोवा से पूर्वोत्तर तक कैसा रहेगा मौसम?

पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश, असम-मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में 20-22 अगस्त तक बारिश तथा कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा जारी रह सकती है। पश्चिम भारत में कोंकण-गोवा में 20-25 अगस्त तक बारिश का दौर रहेगा। दक्षिण भारत में तटीय कर्नाटक में 20-25 अगस्त के भारी बारिश, जबकि कई अन्य राज्यों में छिटपुट वर्षा की संभावना है।

अगले तीन-चार दिन कैसा रहेगा मौसम का मिजाज?

इससे पहले जम्मू-कश्मीर में मंगलवार देर रात गांदरबल के गुंड के हकनार में बादल फटने की घटना हुई। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पहलगाम में भारी बारिश, तेज हवाओं और जलभराव के कारण यन्नर-बटकूट-पहलगाम मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने 23 अगस्त तक प्रदेश में यलो अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश में कालका-शिमला रेलखंड पर गुम्मन और कोटी स्टेशनों के बीच पहाड़ी से मलबा गिरने के कारण रेल यातायात प्रभावित हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले तीन-चार दिनों तक उत्तर पश्चिम भारत के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

कई स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना

उत्तर-पश्चिम भारत में उत्तराखंड में 20 से 25 अगस्त तक भारी बारिश के साथ कई स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और आसपास के क्षेत्रों में 20-21 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 20-22 अगस्त के दौरान भारी बारिश का अनुमान है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 21 अगस्त को भारी बारिश की संभावना है।

विदर्भ और छत्तीसगढ़ को लेकर क्या अनुमान

मध्य भारत में बारिश का असर अधिक व्यापक रहेगा। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 20-23 अगस्त के दौरान बारिश और 20-21 अगस्त तथा 23-24 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी मध्य प्रदेश में 20-25 अगस्त तक बारिश का अनुमान है, जबकि 20-22 अगस्त के दौरान कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश जारी रह सकती है। विदर्भ में 20-22 अगस्त तथा 24-25 अगस्त को बारिश की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 21-22 अगस्त को बारिश और 21 अगस्त तक कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

बाढ़ की मार झेल रहे ओडिशा में भी बारिश

पूर्वी भारत में झारखंड में 20-21 अगस्त को छिटपुट बारिश, जबकि 22-25 अगस्त के दौरान बारिश के आसार हैं। बिहार में 21-23 अगस्त के बीच भारी बारिश हो सकती है और 22 अगस्त को गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। ओडिशा में 21-25 अगस्त के बीच बारिश और कई स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है।

चीन की सीमा से लगे क्षेत्रों से संपर्क कटा

उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ में बुधवार तड़के हुई भारी बारिश के बाद धारचूला-तवाघाट हाईवे पर कुलागाड़ के पास पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिरने से करीब 70 मीटर स्पान का वैली ब्रिज टूटकर गधेरे में समा गया। पुल टूटने से चीन सीमा से लगे दारमा, व्यास और चौंदास घाटियों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। तीनों घाटियों के 12 से अधिक गांव अलग-थलग पड़ गए हैं। मानसरोवर यात्रा के नौवें दल के यात्रियों की वापसी भी मुश्किल हो गई है। वर्ष 2024 में भी वैली ब्रिज टूट गया था।

IGNOU: एक साल में मिलेगी मास्टर डिग्री, इग्नू में इन नौ पाठ्यक्रमों के लिए की गई यह व्यवस्था

यूजीसी के नए नियमों और एनईपी 2020 के तहत नई व्यवस्था लागू की गई है। चार वर्षीय स्नातक ऑनर्स करने वाले विद्यार्थियों के लिए अब मास्टर डिग्री हासिल करना आसान और तेज होगा। देश में सबसे पहले इग्नू ने वर्ष 2026 से इसके तहत नौ नए मास्टर डिग्री कार्यक्रम शुरू किए हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अलीगढ़ केंद्र में चार वर्षीय स्नातक ऑनर्स उत्तीर्ण छात्रों के लिए एक वर्षीय मास्टर डिग्री का विकल्प शुरू किया गया है। इसमें नौ पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। वर्ष 2026 से ऑनलाइन माध्यम से अर्थशास्त्र, इतिहास, एमकॉम, समाजशास्त्र, पत्रकारिता जनसंचार, अंग्रेजी, उर्दू, हिंदी और संस्कृत में मास्टर डिग्री कोर्स उपलब्ध होंगे। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजय वर्धन आचार्य ने बताया कि यूजीसी के नए नियमों और एनईपी 2020 के तहत नई व्यवस्था लागू की गई है। चार वर्षीय स्नातक ऑनर्स करने वाले विद्यार्थियों के लिए अब मास्टर डिग्री हासिल करना आसान और तेज होगा। देश में सबसे पहले इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने वर्ष 2026 से इसके तहत नौ नए मास्टर डिग्री कार्यक्रम शुरू किए हैं। जिन विषयों में मास्टर डिग्री का कार्यक्रम शुरू किया गया है, उनमें सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और इतिहास में एक वर्षीय मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम शामिल हैं। ये पाठ्यक्रम रिसर्च ट्रैक वाले विद्यार्थियों के लिए है। वाणिज्य बीकॉम ऑनर्स करने वालों के लिए एक वर्षीय एमकॉम। पत्रकारिता एवं जनसंचार में एक वर्षीय एमए। मानविकी के पाठ्यक्रम में चार वर्षीय यूजी ऑनर्स विद रिसर्च और चार वर्षीय यूजी ऑनर्स करने वाले विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग ट्रैक रखे गए हैं। अभी तक स्नातक के बाद सामान्य तौर पर दो वर्षीय मास्टर डिग्री का विकल्प था।

सांकरा रोड पर करंट लगने से 16 वर्षीय छात्र की मौत, दुकान पर स्टार्टर ठीक करते समय हुआ हादसा

कस्बे के सांकरा रोड पर बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में 16 वर्षीय छात्र की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान विद्युत उपकरण एवं स्कूटी रिपेयरिंग की दुकान चलाने वाले विनोद माहेश्वरी के बेटे हर्षित माहेश्वरी के रूप में हुई है। हादसे की खबर फैलते ही परिवार में कोहराम मच गया, वहीं आसपास के लोग भी घटना से स्तब्ध रह गए। जानकारी के अनुसार, हर्षित कक्षा नौ में पढ़ता था और पढ़ाई के साथ अक्सर अपने पिता की दुकान पर भी मौजूद रहता था। बुधवार को भी वह दुकान पर था। इसी दौरान एक ग्राहक खराब सबमर्सिबल का स्टार्टर ठीक कराने के लिए दुकान पर पहुंचा। हर्षित स्टार्टर की मरम्मत करने लगा और उसके तार जोड़ रहा था। बताया गया कि मरम्मत के दौरान हर्षित स्टार्टर के तार बिजली के तार से जोड़ रहा था। इसी बीच अचानक वह तेज करंट की चपेट में आ गया और मूर्छित होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना होते ही दुकान और आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन और अन्य लोग तुरंत उसे संभालने में जुट गए। हर्षित को आनन-फानन में इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोगों के पैरों तले जमीन खिसक गई। हादसे के समय हर्षित की मां गौरी भी दुकान के पास ही झाड़ू लगा रही थीं। बेटे के करंट की चपेट में आने और फिर उसकी मौत की खबर से मां बेसुध हो गईं। परिवार में चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया गया कि हर्षित अपने माता-पिता और एक भाई के साथ रहता था। उसकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बुधवार शाम को गमगीन माहौल में हर्षित का अंतिम संस्कार कर दिया गया। किशोर की असमय मौत से पूरे परिवार और आसपास के लोगों में शोक का माहौल है।

यूपी: प्रदेश में जारी है बारिश, कई नदियां उफान पर, दीवार गिरने से चार की मौत; आज इन जिलों में होगी भारी बरसात

Weather in UP: यूपी में मानसूनी बरसात का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में यह क्रम बना रहेगा।प्रदेश में बारिश की रफ्तार जारी है। बारिश की वजह से कई नदियां उफान पर हैं। चित्रकूट की मंदाकिनी नदी में भारी उफान है। इसके चलते राम घाट को बंद कर दिया गया है। इसके अलावा यूपी की अन्य नदियों में भी जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर निकल चुका है। अवध के कई जिलों में नदियां अतिक्रमण कर रही हैं। बारिश की वजह से हादसे भी हुए। जौनपुर और प्रयागराज में दीवार गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। अमेठी सहित कुछ अन्य जिलों में भी बारिश के चलते हादसे हुए हैं। प्रयागराज और वाराणसी में गंगा ऊफान पर है। प्रयागराज में शहर के अंदर भर आए पानी पर हाईकोर्ट ने चिंता जताई है।

यूपी के नौ दक्षिणी जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट

उत्तर प्रदेश में बुधवार को भी पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में बादलों की सक्रियता का असर रहा। प्रतापगढ़, प्रयागराज, हरदोई जैसे कई जिलो में 100 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज हुई। वहीं मध्य प्रदेश से सटे जिलों में भी अच्छी बारिश देखने को मिली।मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार के लिए बुंदेलखंड के झांसी, हमीरपुर, महोबा और ललितपुर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, जालौन आदि में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। बुधवार को प्रतापगढ़ में सर्वाधिक 130 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं प्रयागराज में 119.8 मिमी, हरदोई में 101 मिमी, पश्चिमी यूपी के मुजफ्फरनगर में 64.3 मिमी और गोंडा में 60 मिमी बारिश हुई।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल 23 अगस्त तक प्रदेश के विभिन्न इलाकों में कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिए पानी निकालने के आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शहर में बारिश के पानी को 24 से 48 घंटे में निकालने के लिए आपात उपाय करने का निर्देश दिया है। नगर आयुक्त को मोरी गेट, दारागंज के रास्ते जलभराव वाले इलाकों से पानी पंप कर निकालने और डीएम को इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है।यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने स्वत: संज्ञान याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जलभराव से निचले इलाकों में जमा बारिश का पानी लोगों के घरों तक पहुंच गया है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी खतरे की स्थिति पैदा हो गई है। बुधवार को सुनवाई के दौरान डीएम मनीष कुमार वर्मा और नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा कोर्ट में मौजूद रहे।

UP: स्कूल से लौट रहा बच्चा नाले में समाया, बदहवास मां ने पीया तेजाब; जलभराव से बचने की कोशिश में दर्दनाक हादसा

यूपी के रामपुर जिले में बारिश में खुले नाले में गिरकर आठ वर्षीय छात्र की मौत की मौत हो गई। जिगर के टुकड़े की मौत की सूचना मिलते ही मां ने तेजाब पीकर जान देने की कोशिश की। मां की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि नाले में तेज बहाव के कारण बच्चे की जान चली गई।रामपुर शहर में खुले नालों और जलनिकासी के इंतजाम की अनदेखी आठ साल के मासूम अमान की जिंदगी लील गई। मंगलवार दोपहर 12.30 बजे स्कूल से छुट्टी के बाद घर आते समय रास्ते में भरे बारिश के पानी से बचने के लिए वह सड़क के किनारे-किनारे चल रहा था। अचानक पैर फिसलने से वह खुले नाले में जा गिरा। गहरे नाले में पानी का बहाव तेज था। बाहर निकाले जाने तक उसकी सांसें थम गईं।उधर, यह जानकारी मिलते ही बेटे के गम में बदहवास मां ने बाथरूम में सफाई के लिए रखा तेजाब पी लिया। वह गंभीर हालत में जिंदगी-मौत से जूझ रही हैं। अमान शहर के मोहल्ला अजीतपुर निवासी जमीर खां का बेटा था।जमीर खां घर चलाने के लिए अहमदाबाद में रंगाई-पुताई का काम करते हैं। वह इन दिनों वहीं हैं। घर में मां नगमा, बड़े भाई अरमान और बड़ी बहन के साथ रहने वाला अमान शहर के एक पब्लिक स्कूल में नर्सरी का छात्र था।

पैर फिसलने से नाले में गिरा छात्र

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कूल की छुट्टी के बाद कुछ अन्य बच्चों के साथ घर जा रहे अमान ने सड़क पर जलभराव देख किनारे जाकर कदम बढ़ाए और इसी बीच पांव फिसलने से नाले में जा गिरा। नजदीक के लोगों और दुकानदारों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पालिका की टीम बुलाई।पालिका टीम ने दो जेसीबी की मदद से नाले का दूसरी तरफ का कवर खोलकर करीब एक घंटे बच्चे की तलाश की तो वह नाले में उभरी एक सरिया के सहारे लटका मिला। उसको तुरंत एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बच्ची की मौत की सूचना पर मां ने पीया तेजाब

दूसरी ओर, घर में लाडले का इंतजार कर रहीं मां नगमा तक जैसे ही यह जानकारी पहुंची तो वह चीखती हुई बाथरूम की ओर भागीं और वहां रखी तेजाब की बोतल मुंह से लगाकर जान देने की कोशिश की। घर में मौजूद फूफी ने उनके हाथों से बोतल छीन ली लेकिन तब तक तेजाब भीतर पहुंच जाने से नगमा की हालत बिगड़ गई। उन्हें जिला अस्पताल लाया गया। इलाज कर रहे चिकित्सकों ने हालत गंभीर बताई है।

काफी तेज था नाले में पानी का बहाव

शहर के मोहल्ला अजीतपुर में नाला पहले से लबालब था और इसका पानी शौकत अली रोड से होते हुए ज्वाला नगर, आगापुर और अजीतपुर का पूरा पानी इस नाले से होकर गुजर रहा था, जिससे बहाव काफी तेज था और बच्चे की डूबकर मौत हो गई।

कई जगह कवर तो कई जगहों पर खुला है नाला

अजीतपुर इलाके में कई जगहों पर नाला खुला हुआ है तो कई जगहों पर नाला कवर है। नाला खुला होने पर बच्चे का पांव फिसल गया और वह नाले में गिर गया। हालांकि कुछ दूरी पर ही बच्चे का शव मिल गया था, लेकिन तेज बहाव के कारण हालत और गंभीर हो गई।

CNG सिलिंडर ब्लास्ट: 'धमका हुआ, हिल गईं दीवारें, लगा फट गई धरती', चश्मदीद बोले- एक हाथ कटकर 10 फीट दूर जा गिरा

Delhi Tikri Kalan CNG Pump Blast: टिकरी मेट्रो स्टेशन के पास सीएनजी पंप पर गैस भरते समय जोरदार धमाका हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके के बाद पंप का मंजर भयावह था, शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए थे। एक हाथ शरीर से अलग होकर करीब 10 फीट दूर जा गिरा था।टीकरी मेट्रो स्टेशन के पास सीएनजी पंप पर बुधवार दोपहर सब कुछ रोज की तरह चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं, वाहनों की आवाजाही और कर्मचारियों की दिनचर्या के बीच करीब 3:20 बजे कैंटर में सीएनजी भरते समय अचानक जोरदार धमाका हुआ। आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोगों को लगा जैसे भूकंप आ गया हो। धमाके की गूंज करीब तीन किलोमीटर दूर तक सुनाई दी और आसपास के घरों-दुकानों के शीशे तक हिल गए।

इतना खौफ...लोग पांच मिनट तक आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं कर पाए
ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी राजेंद्र कुमार ने बताया कि धमाके की आवाज ऐसी थी जैसे धरती फट गई हो। उन्होंने कहा कि मौके पर पहुंचने के बाद शरीर के अंग अलग-अलग पड़े देखे और लगा कि कहीं दूसरा धमाका न हो जाए। उनके मुताबिक, करीब पांच मिनट तक लोग आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं कर सके।

उजड़ गए 3 घर... पीछे 2 मासूम

मृतकों की पहचान 25 वर्षीय मनीष, 34 वर्षीय ब्रह्मजीत और 30 वर्षीय सनी के रूप में हुई है। ब्रह्मजीत और सनी निजामपुर के रहने वाले थे। तीनों इसी पंप पर काम करते थे। रिश्तेदार अमन कुमार ने बताया कि ब्रह्मजीत और उसका भाई दोनों इसी पंप पर काम करते थे। पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं।

सीएनजी भरते समय ट्रक के सिलेंडर में धमाका

धमाका होते ही पंप पर चारों तरफ धूल व अन्य सामान के उड़ने से अंधेरा जैसा हो गया। धमाके के साथ ही ट्रक के सिलिंडर बॉक्स से तीन सिलिंडर अलग हो गए। अलग हुए सिलिंडरों से सीएनजी पंप कर्मी समेत छह लोग घायल हो गए। इनमें तीन सीएनजी पंप कर्मियों मनीष (25) पुत्र संजय, निजामपुर निवासी ब्रह्मजीत (34) पुत्र पिता रोहतास और गांव निजामपुर निवासी सनी (30) पुत्र नरेश की दर्दनाक मौत हो गई। घायलों का वहां स्थित सीडी ग्लोबल अस्पताल में उपचार चल रहा है। मौके पर आईजीएल की टीम निरीक्षण के लिए बुलाई गई है। मुंडका थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस धमाके कारणों की जांच कर रही है।

तीन कर्मचारियों की मौत

धुआं और धूल छंटने के बाद पंप का मंजर भयावह था। तीन कर्मचारियों की मौत हो चुकी थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाके की चपेट में आने से कर्मचारियों के शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। मौके पर खून बिखरा था और कुछ देर तक कोई घायलों के पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। गोल्डन ट्रांसपोर्ट के मालिक सचिन कुमार ने बताया कि वह 10 साल से यहां काम कर रहे हैं, लेकिन ऐसा मंजर कभी नहीं देखा।

ब्रह्मजीत का एक हाथ कटकर करीब 10 फीट दूर गिरा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पंप कर्मचारी ब्रह्मजीत का एक हाथ शरीर से अलग होकर करीब 10 फीट दूर जा गिरा था। एक अन्य कर्मचारी का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जबकि तीसरे के शरीर पर गहरे जख्म थे। तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल कैंटर चालक सुरजीत, संजय और विपिन गंभीर हालत में पड़े थे।

दिल्ली में फिर कत्ल से सनसनी: कल्याणपुरी में झगड़े के बाद चाकूबाजी, 22 साल के युवक की चाकू से गोदकर हत्या

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर हत्या की वारदात सामने आई है। कल्याणपुरी इलाके में आधी रात को चाकूबाजी की एक घटना हुई। सड़क पर एक झगड़े के दौरान एक युवक को कथित तौर पर चाकू मारा गया।पूर्वी जिले के कल्याणपुरी थाना क्षेत्र में बीती देर रात चाकूबाजी की एक घटना सामने आई है। रात करीब एक बजे 11 ब्लॉक और 15 ब्लॉक के बीच सड़क पर हुए विवाद के बाद एक युवक को चाकू मार दिया गया। घायल युवक को तत्काल एलबीएस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गंभीर हालत में युवक को पहुंचाया अस्पताल

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह घटना एक विवाद के बाद हुई, जो हिंसक झड़प में बदल गई। इसी झड़प के दौरान जय सिंह को कथित तौर पर चाकू मारा गया। उसे गंभीर हालत में एलबीएस अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक जय सिंह कल्याणपुरी का ही निवासी था।

पुलिस ने घटना के तुरंत बाद कार्रवाई शुरू की। संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। दो संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। अपराध में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया है, जो जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पुलिस अब घटना के पूरे क्रम का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

मृतक की पहचान, दो आरोपी गिरफ्तार

मृतक की पहचान जय सिंह उर्फ गंजू के रूप में हुई है, जो राजू का पुत्र और कल्याणपुरी का निवासी था। उसकी उम्र करीब 22 वर्ष बताई गई है। इस गंभीर मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार, एक चाकू भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

Expressway: कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे धंसने का सिलसिला जारी, चार और स्थानों पर 140 मीटर सड़क धंसी

छह स्थानों पर सड़क पटरी और किनारे की मिट्टी धंसने से सड़क को नुकसान का खतरा है। निर्माण एजेंसी ने अब एक्सप्रेसवे की दिन-रात मरम्मत शुरू की है। नालियों की सफाई और मरम्मत के बाद भी मिट्टी बहने और दबने से दर्जनों स्थानों पर सेफ्टी ग्रिल भी दब गई है।बढ़ी वाहनों की संख्या: एक ओर कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सड़क धंसने की खबरें आ रही हैं, दूसरी ओर इस पर चलने वाले वाहनों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है। एनएचएआई का कहना है कि टोल वसूली के दौरान रोज 12-13 हजार वाहन आ-जा रहे थे। फ्री होने पर संख्या 15 हजार पर पहुंच चुकी है।

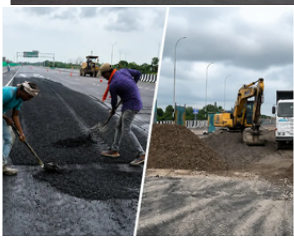

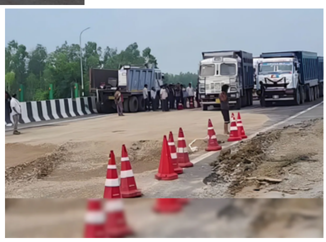

'ईरान पर होगी सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई': ट्रंप ने दी धमकी, मदद करने वाले देशों को चेताया; क्या बढ़ेगा तनाव?

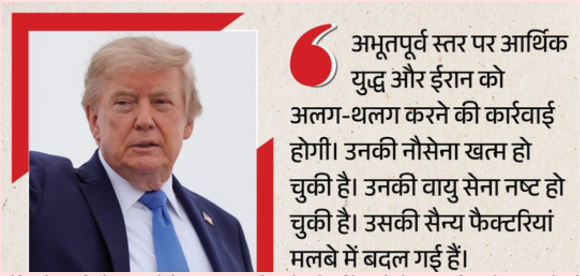

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर अब तक की सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई का एलान किया और मदद करने वाले देशों को भी अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। ईरान को अलग-थलग करने के इस अभियान का असर भारत और दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त आर्थिक कार्रवाई की धमकी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को अमेरिका के साथ समझौता करने का सबसे बड़ा मौका दिया गया था। लेकिन उसने इसे गंवा दिया। ट्रंप ने कहा, इस्लामी गणराज्य ईरान को किसी समझौते के लिए मुझसे ज्यादा बड़ा मौका किसी ने नहीं दिया। दुख की बात है कि उन्होंने इस मौके का फायदा नहीं उठाया। इसलिए आज मैं किसी भी देश के खिलाफ अब तक की सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई की घोषणा कर रहा हूं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है। उसकी वायु सेना नष्ट हो गई है। उसकी सैन्य फैक्टरियां मलबे में बदल गई हैं। ईरान की मुद्रा बेकार हो गई है और देश बेहद कमजोर स्थिति में है।

ईरान की मदद करने वाले देशों पर भी कार्रवाई?

ट्रंप ने कहा कि जो भी देश ईरान को किसी भी तरह की आर्थिक मदद देगा, उसे भी बड़े आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। इसमें वित्तीय संस्थान, कारोबार, हवाई अड्डे और सरकारी संस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने तेल की तस्करी, स्वैप लाइन, नकद लेनदेन, एक्सचेंज हाउस, जहाजों के पंजीकरण और ईरान की मदद करने वाली छिपी हुई (शेल) कंपनियों को तुरंत रोकने की बात कही।

सहयोगी देशों से अमेरिका के साथ आने की अपील

ट्रंप ने इसे ईरान के खिलाफ बड़े आर्थिक हमले का दिन बताया। उन्होंने अमेरिका के सहयोगी देशों से ईरान को अलग-थलग करने और उसके खतरे को खत्म करने में साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईरान इस समय बेहद कमजोर स्थिति में है। उन्होंने दावा किया कि ये ऐतिहासिक कदम ईरान को और दुनियाभर में आतंक फैलाने की उसकी क्षमता को बुरी तरह कमजोर कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा।

अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाया

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने पिछले हफ्ते इसी तरह बयान दिया था। बेसेंट ने कहा था कि अमेरिका ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिशें बढ़ाएगा। इस रणनीति में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी भी शामिल है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय 'ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी' नाम से प्रतिबंध अभियान भी चला रहा है। इसका मकसद लक्षित कार्रवाई के जरिये ईरान के पैसे जुटाने के स्रोतों को बंद करना है।

ईरान के खिलाफ युद्ध कब शुरू हुआ?

युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों के साथ हुई। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए।

कौन-कौन से देश ईरान के साथ?

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने ईरान को सैन्य उपकरण और ड्रोन से जुड़ी तकनीक दी है। वहीं, चीन लगातार ईरान से तेल खरीद रहा है। चीन ने ईरान के साथ कारोबारी रिश्ते बनाए रखे हैं और उसे कूटनीतिक समर्थन भी दिया है। पाकिस्तान ने कूटनीति और बातचीत शुरू कराने की कोशिशों के जरिये ईरान का समर्थन किया है। हालांकि, उसने ईरान को सैन्य मदद नहीं दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान को उसके सहयोगी हथियारबंद समूहों का भी समर्थन हासिल है। इनमें यमन के हूती और इराक में ईरान के साथ जुड़े लड़ाके शामिल हैं। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि अमेरिका के पास ईरान के खिलाफ 'बहुत कड़े प्रतिबंध' लगाने के विकल्प मौजूद हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ट्रंप ने दावा किया, अभी जलडमरूमध्य खुला है। बहुत सारी नावें वहां से गुजर रही हैं।

भारत पर क्या होगा असर?

भारत पर इसका असर तेल और गैस की कीमतों, नौवहन और महंगाई के रूप में पड़ सकता है, क्योंकि होर्मुज में तनाव बढ़ने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। साथ ही ईरान पर अमेरिकी दबाव बढ़ने से भारत के चाबहार बंदरगाह से जुड़ी योजनाओं पर भी असर पड़ने का खतरा है। चाबहार भारत के लिए ईरान के रास्ते अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच का अहम रास्ता है, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंध और मौजूदा संघर्ष पहले ही इसके कामकाज पर दबाव डाल रहे हैं।

बांग्लादेश में 35 साल बाद राष्ट्रपति चुनाव आज: किसका किससे है मुकाबला, कौन दौड़ में सबसे आगे? जानिए समीकरण

बांग्लादेश में 35 साल बाद आज राष्ट्रपति चुनाव होगा। बीएनपी के मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर और कई दलों के गठबंधन की ओर से सेवानिवृत्त कर्नल ओली अहमद के बीच मुकाबला होगा। किसका पलड़ा भारी माना जा रहा है? बांग्लादेश में आज नए राष्ट्रपति का चुनाव होने वाला है। सत्तारूढ़ बीएनपी के बड़े नेता मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर इस चुनाव में सबसे आगे माने जा रहे हैं। यह बांग्लादेश में 35 साल बाद पहला राष्ट्रपति चुनाव है, जिसमें मुकाबला हो रहा है। सांसदों के सामने आलमगीर और सेवानिवृत्त कर्नल ओली अहमद के बीच चुनाव होगा। ओली अहमद 11 दलों के विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, मतदान संसद यानी जातीय संसद में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। आलमगीर (78 वर्षीय) सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के उम्मीदवार हैं। वहीं, अहमद (84 वर्षीय)लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष हैं। वह जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने 16 अगस्त को दोनों उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों को सही मानते हुए मंजूर कर लिया था।

बांग्लादेश में 1991 के बाद यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है, जिसमें उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हो रहा है। पिछले कई दशकों में राष्ट्रपति का चुनाव आमतौर पर आपसी सहमति से या बिना मुकाबले के होता रहा है।

आलमगीर ने सांसदों से वोट देने की अपील की

बीएनपी की संसदीय दल की बैठक में बुधवार को आलमगीर ने पार्टी के सांसदों से राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर मैंने कोई गलती की है या अनजाने में किसी को दुख पहुंचाया है, तो मैं माफी मांगता हूं।'आलमगीर बीएनपी में संयुक्त महासचिव, कार्यवाहक महासचिव और महासचिव जैसे पदों पर रह चुके हैं। बैठक में मौजूद कई सांसदों ने बताया कि वरिष्ठ नेता भावुक हो गए और कई बार उनकी आंखों से आंसू निकल आए। आलमगीर ने वादा किया कि वह देश की आजादी और संप्रभुता से कभी समझौता नहीं करेंगे।

कब शपथ लेंगे नए राष्ट्रपति?

डेली स्टार अखबार ने संसद सचिवालय के सूत्रों के हवाले से बताया कि राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले उम्मीदवार शुक्रवार शाम बंगभवन के दरबार हॉल में बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। यह राष्ट्रपति चुनाव इसलिए जरूरी हुआ, क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी माने जाने वाले मोहम्मद शहाबुद्दीन ने पिछले महीने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया था। उनका पांच साल का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ था।

संविधान में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर क्या नियम है?

प्रधानमंत्री और बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान ने लंबे समय तक पार्टी के महासचिव रहे और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के करीबी सहयोगी आलमगीर को राष्ट्रपति पद के लिए पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। संविधान के मुताबिक, राष्ट्रपति का पद खाली होने के 90 दिनों के अंदर नया राष्ट्रपति चुना जाना जरूरी है। राष्ट्रपति का पद खाली होने के बाद संविधान के नियम के अनुसार संसद के अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद फिलहाल कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर काम कर रहे हैं। संविधान के मुताबिक, राष्ट्रपति का चुनाव संसद करती है।

बीएनपी के पास दो-तिहाई बहुमत?

12 फरवरी को हुए चुनाव में बीएनपी सत्ता में आई थी। अभी संसद में उसके पास दो-तिहाई बहुमत है। ऐसे में आलमगीर के राष्ट्रपति बनने की संभावना काफी मजबूत है। अगर आलमगीर चुनाव जीतते हैं, तो वह बांग्लादेश के 23वें राष्ट्रपति बनेंगे। वह दो दशक से ज्यादा समय से बीएनपी के सबसे प्रमुख नेताओं में शामिल रहे हैं। उन्होंने 2011 से पार्टी के कार्यवाहक महासचिव के तौर पर काम किया। इसके बाद 2016 में वह औपचारिक रूप से महासचिव बने। उन्होंने उस समय बीएनपी का नेतृत्व करने में अहम भूमिका निभाई, जब पार्टी की तत्कालीन अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री जिया जेल में थीं और रहमान विदेश में थे।

राष्ट्रपति की शक्तियां कितनी हैं?

बांग्लादेश की संसदीय व्यवस्था में राष्ट्रपति मुख्य रूप से नाममात्र के राष्ट्राध्यक्ष होते हैं। हालांकि, उनके पास संविधान के तहत कुछ अहम अधिकार हैं। इनमें प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करना शामिल है। राष्ट्रपति देश की सशस्त्र सेनाओं के सर्वोच्च कमांडर भी होते हैं। हालांकि, इन शक्तियों का इस्तेमाल आम तौर पर प्रधानमंत्री की सलाह पर किया जाता है।

आलमगीर का राजनीतिक सफर क्या है?

आलमगीर ने अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है। उन्होंने राजनीति में कदम वामपंथी विचारों वाले छात्र नेता के तौर पर रखा था। उस समय बांग्लादेश को पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था। भारत की मदद से 1971 में बांग्लादेश पाकिस्तान से आजाद हुआ था। 90 के दशक की शुरुआत में बीएनपी में शामिल होने के बाद आलमगीर ने कृषि और विमानन राज्य मंत्री के तौर पर काम किया। 12 फरवरी के चुनाव के बाद 17 फरवरी 2026 को नई सरकार बनने पर मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को प्रांतीय सरकार में ग्रामीण विकास और सहकारिता मंत्री बनाया गया।

Bihar Politics: राजभवन मार्च पर राजद नेताओं के साथ निकले तेजस्वी यादव, पूछा- गोलीकांड पर चुप क्यों हैं सीएम

ब्रिटिश मीडिया में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन अपने बच्चों के साथ यूनाइटेड किंगडम लौटने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, वापसी के बावजूद दोनों शाही परिवार के कामकाजी सदस्यों के रूप में अपनी जिम्मेदारियां दोबारा नहीं संभालेंगे। प्रिंस हैरी और मेगन के अपने बच्चों आर्ची और लिलिबेट के साथ ब्रिटेन लौटने की खबर ने शाही परिवार में संभावित नए समीकरणों की चर्चा तेज कर दी है। बुधवार देर रात ब्रिटिश मीडिया में सामने आई एक रिपोर्ट के मुताबिक रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे ब्रिटिश स्कूलों में दाखिला ले चुके हैं और परिवार लंदन के बाहर निजी घर में रह सकता है। दोनों शाही परिवार की कामकाजी भूमिकाएं फिर से नहीं संभालेंगे। यह कदम किंग चार्ल्स के साथ हैरी के सुधरते रिश्तों को और मजबूत कर सकता है, लेकिन प्रिंस विलियम के साथ लंबे समय से जारी तनाव के बीच यह वापसी नई चुनौतियां भी पैदा कर सकती है।

बच्चों का ब्रिटिश स्कूलों में दाखिला

इस खबर को सबसे पहले प्रकाशित करने वाले अखबार 'डेली टेलीग्राफ' के अनुसार, हैरी और मेगन के बच्चे 7 वर्षीय प्रिंस आर्ची और 5 वर्षीय प्रिंसेस लिलिबेट का ब्रिटेन के स्कूलों में दाखिला कराया जा चुका है। दोनों बच्चे सितंबर से अपनी कक्षाएं शुरू करेंगे। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, परिवार लंदन से बाहर एक निजी और गैर-शाही आवास में रहने की योजना बना रहा है। हालांकि, इस संभावित ठिकाने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

छह साल पहले छोड़ी थी शाही भूमिका

हैरी और मेगन ने छह साल से भी अधिक समय पहले शाही जिम्मेदारियों से दूरी बना ली थी। इसके बाद वे अमेरिका के कैलिफोर्निया चले गए, जहां उन्होंने नेटफ्लिक्स और स्पॉटिफाई जैसी कंपनियों के साथ बड़े व्यावसायिक करार किए। उस फैसले के बाद शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उनके रिश्तों में लगातार तनाव बना रहा। हालांकि, हाल के महीनों में हैरी ने अपने पिता किंग चार्ल्स तृतीय के साथ संबंध सुधारने की इच्छा खुलकर जाहिर की है। चार्ल्स इस समय कैंसर के एक अज्ञात प्रकार का इलाज करा रहे हैं।

चार्ल्स को रविवार को दी गई जानकारी

रिपोर्ट के अनुसार, किंग चार्ल्स को रविवार को हैरी और मेगन की ब्रिटेन लौटने की योजना के बारे में बताया गया। खास बात यह है कि पिछले महीने जब हैरी और मेगन ब्रिटेन आए थे, तब उन्होंने कथित तौर पर राजा को इस योजना की जानकारी नहीं दी थी। किंघम पैलेस की नीति के मुताबिक, शाही परिवार के गैर-कामकाजी सदस्यों से जुड़ी अटकलों पर महल आमतौर पर टिप्पणी नहीं करता। हैरी और मेगन के प्रतिनिधि ने भी इस खबर पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।

कैलिफोर्निया जाने के बाद रिश्तों में आया उतार-चढ़ाव

दक्षिणी कैलिफोर्निया के मोंटेसिटो इलाके में आलीशान घर में बसने के बाद से हैरी और मेगन के शाही परिवार के साथ रिश्ते लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरते रहे हैं। कई इंटरव्यू और हैरी की आत्मकथा 'स्पेयर' में दोनों ने बताया कि उन्होंने शाही जीवन की पाबंदियों और दबाव से दूर होने के लिए ब्रिटेन छोड़ा था। उन्होंने पैलेस के अधिकारियों पर मेगन की मानसिक सेहत को लेकर असंवेदनशील रवैया अपनाने का आरोप भी लगाया था।

मेगन की गर्भावस्था के दौरान नस्लीय टिप्पणी का आरोप

हैरी और मेगन ने यह भी दावा किया था कि जब मेगन अपने पहले बच्चे के साथ गर्भवती थीं, तब शाही परिवार के कम से कम एक सदस्य ने उनके होने वाले बच्चे की त्वचा के रंग को लेकर नस्लीय टिप्पणी की थी। मेगन खुद को मिश्रित नस्ल की महिला बताती हैं। हालांकि, इस विवाद में जिस शाही सदस्य पर कथित टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था, उसका नाम सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया।

टैब्लॉयड मीडिया के खिलाफ हैरी की लंबी कानूनी लड़ाई

ब्रिटिश टैब्लॉयड अखबारों के साथ हैरी की लंबी कानूनी लड़ाई ने भी शाही परिवार के साथ तनाव को और गहरा किया है। हैरी का आरोप है कि बचपन के दौरान कुछ अखबारों ने गैर-कानूनी तरीके से उनके फोन हैक किए और उनकी निजी जिंदगी में दखल दिया। मीडिया संस्थानों के खिलाफ हैरी कई मुकदमों में असफल भी रहे हैं। इनमें 'डेली मेल' के प्रकाशक के खिलाफ दायर मामला भी शामिल है, जो पिछले महीने समाप्त हुआ।

कानूनी लड़ाई के बाद करोड़ों पाउंड का खर्च

ताजा मुकदमे के बाद हैरी पर लाखों पाउंड का कानूनी खर्च आने का खतरा मंडरा रहा है। अदालत ने फैसला सुनाया है कि उन्हें और मामले में शामिल अन्य वादियों को प्रकाशक की कानूनी फीस का भुगतान करना होगा। 'एसोसिएटेड न्यूजपेपर्स' ने ऐसे दस्तावेज अदालत में जमा किए हैं, जिनके मुताबिक उसका कानूनी खर्च करीब 34.5 मिलियन पाउंड यानी लगभग 47 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

ब्रिटिश सरकार से सुरक्षा को लेकर भी विवाद

हैरी का ब्रिटिश सरकार के साथ भी सुरक्षा को लेकर कानूनी विवाद चल रहा है। मामला उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें एक सरकारी समिति ने ब्रिटेन में रहने के दौरान प्रिंस और उनके परिवार के लिए पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था से इनकार कर दिया था। हैरी का कहना है कि शाही परिवार का सदस्य होने के कारण उन्हें और उनके परिवार को सशस्त्र पुलिस सुरक्षा की जरूरत है। उनके मुताबिक यह खतरा उनकी शाही गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी से अलग है।

हार के बाद भी सुलह की उम्मीद जताई

पिछले साल सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अदालती लड़ाई हारने के बाद हैरी ने कहा था कि वह अपने परिवार के साथ रिश्ते सुधारने की उम्मीद रखते हैं। बीबीसी से बातचीत में उन्होंने कहा था,'मैं अपने परिवार के साथ सुलह करना चाहता हूं। अब और लड़ते रहने का कोई मतलब नहीं है। मुझे नहीं पता कि मेरे पिता के पास कितना समय बचा है।'

पिछले महीने हुई मुलाकात को माना जा रहा अहम कदम

सुलह की दिशा में एक शुरुआती कदम पिछले महीने देखने को मिला, जब हैरी कुछ चैरिटी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए ब्रिटेन लौटे। मेगन और दोनों बच्चे भी यात्रा के एक हिस्से में उनके साथ ब्रिटेन पहुंचे थे। इस दौरान परिवार ने पश्चिमी इंग्लैंड स्थित किंग चार्ल्स के हाईग्रोव एस्टेट में उनके साथ समय बिताया। 2022 में दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की प्लेटिनम जुबली के बाद यह पहली बार था जब आर्ची और लिलिबेट ने अपने दादाजी से मुलाकात की।

NAFED E-commerce: रसोई तक पहुंचेगा नैफेड, छह शहरों में खुलेंगे स्टोर; क्या ऑनलाइन खरीदारी भी होगी आसान

नैफेड अब सिर्फ किसानों की उपज खरीदने वाली संस्था तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह सीधे आम लोगों की रसोई तक अपने उत्पाद पहुंचाने की तैयारी में है। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में नैफेड ने 42 करोड़ रुपये की बिक्री की है। छह बड़े शहरों में नए स्टोर और डार्क स्टोर बनाने की तैयारी है। क्या इससे ग्राहकों को शुद्ध सामान सही कीमत पर और जल्दी मिल सकेगा? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं...किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपज खरीदने वाला भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ यानी नैफेड अब खुदरा बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने की तैयारी में है। संस्था का लक्ष्य आम उपभोक्ताओं तक अपने उत्पाद सीधे पहुंचाना है। इसके लिए छह बड़े शहरों में आधुनिक स्टोर खोले जाएंगे। साथ ही ऑनलाइन खरीदारी को तेज करने के लिए डार्क स्टोर बनाने की तैयारी है। नैफेड का जोर शुद्धता, सही कीमत और आसान उपलब्धता पर है।

ऑनलाइन खरीदारी के लिए क्या तैयारी कर रहा है नैफेड?

ऑनलाइन बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए नैफेड अपनी लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को बेहतर कर रहा है। अभी नैफेड ई-बाजार से सामान पहुंचने में तीन से चार दिन लगते हैं। इसे तेज करने के लिए नैफेड अपने नए और मौजूदा स्टोरों को डार्क स्टोर यानी स्थानीय सामान रखने वाले केंद्रों में बदलने की तैयारी कर रहा है। इससे आसपास के ग्राहकों तक ऑनलाइन ऑर्डर जल्दी पहुंचाने में मदद मिलेगी।

पांच महीने में नैफेड की बिक्री कितनी बढ़ी है?

नैफेड के खुदरा कारोबार में इस वित्त वर्ष में तेज बढ़ोतरी दर्ज हुई है। वित्त वर्ष 2026-27 के शुरुआती पांच महीनों में ही संस्था ने 42 करोड़ रुपये के उत्पाद बेच दिए हैं। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2025-26 की पूरे 12 महीने की बिक्री से भी ज्यादा है। पिछले वित्त वर्ष में नैफेड के उत्पादों की कुल बिक्री करीब 32 करोड़ रुपये रही थी। चालू वित्त वर्ष के अंत तक 100 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य रखा गया है।

किन छह शहरों में खुलेंगे नैफेड के नए स्टोर?

नैफेड पहले चरण में छह शहरों में अपने नए स्टोर खोलने जा रहा है। इनमें कर्नाटक का बंगलूरू, उत्तर प्रदेश का लखनऊ, मध्य प्रदेश का इंदौर, राजस्थान का जयपुर, पश्चिम बंगाल का कोलकाता और असम का गुवाहाटी शामिल हैं। पहले चरण में राज्यों की राजधानियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके बाद टियर-2 शहरों और प्रमुख औद्योगिक शहरों में भी स्टोर खोलने की योजना है।

क्या नैफेड की बिक्री का लक्ष्य 100 करोड़ रुपये तक पहुंच पाएगा?

नैफेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक दीपक कुमार के अनुसार, ग्राहक अब पैकिंग के साथ शुद्धता और सही कीमत को भी महत्व दे रहे हैं। इसी मांग को देखते हुए नैफेड खुदरा कारोबार को तेजी से बढ़ा रहा है। पांच महीनों में 42 करोड़ रुपये की बिक्री के बाद संस्था को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक 100 करोड़ रुपये की बिक्री का लक्ष्य पार किया जा सकता है। छह शहरों में स्टोर और डार्क स्टोर की योजना इस विस्तार का अहम हिस्सा है।

Supreme Court: सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सीपीसीबी दिवाली से पहले पटाखों के शोर की सीमा और ढील पर विचार करे

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से आगामी दिवाली पर्व के सीजन को देखते हुए पटाखों के शोर की तय सीमा (ध्वनि सीमा) और कुछ श्रेणियों के पटाखों पर आंशिक ढील दिए जाने की संभावना पर विचार करने को कहा है। कोर्ट ने साफ किया कि इस मामले पर एन वक्त पर जल्दबाजी करने के बजाय पहले ही विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य राज्यों में हवा के अधिक प्रदूषित होने के दौरान पटाखे जलाने पर लगी पाबंदियों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान यह सुझाव दिया। पीठ ने सीपीसीबी के वकील से कहा कि कृपया कुछ छूट दें। हम दिवाली से ठीक पहले इसमें जल्दबाजी नहीं करना चाहते। शीर्ष अदालत ने 22 जुलाई को हुई पिछली सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा था कि वे सीपीसीबी से इस बारे में निर्देश लें कि क्या शोर से जुड़ी पाबंदियों में कुछ छूट देकर खास तरह के पटाखों की इजाजत दी जा सकती है।

बुधवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और सीपीसीबी की ओर से पेश भाटी ने सुनवाई टालने का अनुरोध किया। पीठ ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया, लेकिन फिर से कहा कि सीपीसीबी को त्योहार से पहले शोर की तय सीमा में कुछ ढील देने की संभावना पर विचार करना चाहिए। कुछ पटाखा विक्रेताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील जेसाई दीपक ने कहा कि मौजूदा स्थिति के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है और उनके क्लाइंट का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। कम से कम लाइसेंस तो बहाल कर दिया जाए, ताकि अगर कोर्ट मैन्युफैक्चरिंग की इजाजत देने का फैसला करे तो लाइसेंस हो।

E10 Petrol: पुराने वाहनों के लिए फिर लौटेगा E10 पेट्रोल, E20 के बीच सरकार क्यों कर रही विकल्प देने पर विचार?

E20 पेट्रोल के बढ़ते इस्तेमाल के बीच पुराने वाहनों के मालिकों की चिंता अब केंद्र सरकार के सामने बड़ा मुद्दा बन गई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन के सुझाव के बाद सरकार E10 पेट्रोल को फिर विकल्प के तौर पर उपलब्ध कराने पर विचार कर रही है। क्या पुराने वाहनों के लिए E10 सच में जरूरी है? इसे दोबारा बाजार में लाने में सबसे बड़ी चुनौती क्या होगी और क्या सरकार इस पर अंतिम फैसला ले चुकी है?केंद्र सरकार मौजूदा E20 पेट्रोल के साथ पुराने वाहनों के लिए E10 पेट्रोल उपलब्ध कराने की संभावना पर विचार कर रही है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन के सुझाव के बाद इस मुद्दे पर तेल कंपनियों के साथ बातचीत शुरू हुई है। हालांकि, यह बातचीत अभी शुरुआती चरण में है और E10 को दोबारा बाजार में उतारने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। सरकार का ध्यान खास तौर पर उन पुराने वाहनों पर है, जो E20 के लिए तैयार नहीं किए गए हैं।

क्या E10 से पुराने वाहनों की समस्या दूर हो सकती है?

इनपुट के मुताबिक, अधिकारियों ने गैर-इथेनॉल अनुकूल वाहनों में माइलेज कम होने की चिंताओं को दूर करने की कोशिश की है। उनका कहना है कि E10 जैसे कम इथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन पुराने वाहनों के लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं और इंजन के पुर्जों को नुकसान पहुंचाने की चिंता नहीं होनी चाहिए। हालांकि, सरकार अभी इस बात पर विचार कर रही है कि E10 को देशभर में उपलब्ध कराया जाए या केवल कुछ जगहों पर सीमित विकल्प के तौर पर रखा जाए।अभी इसे अंतिम नीति फैसला नहीं माना जा रहा है। सरकार के भीतर केवल इस मुद्दे पर गंभीर समीक्षा और बातचीत शुरू हुई है।

E20 के बाद पुराने वाहन मालिकों की चिंता क्यों बढ़ी?

भारत ने पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य तय समय से करीब पांच साल पहले हासिल कर लिया था। इसके बाद E20 पेट्रोल को प्रमुख ईंधन विकल्प के तौर पर लागू किया गया। इससे पुराने कार और दोपहिया वाहन मालिकों की चिंता बढ़ी है। उनका कहना है कि ज्यादा इथेनॉल मिश्रण के लिए डिजाइन नहीं किए गए वाहनों में माइलेज कम हो सकता है और इंजन से जुड़ी परेशानियां पैदा हो सकती हैं। इसी वजह से E10 को एक वैकल्पिक ईंधन के तौर पर फिर से लाने की मांग उठ रही है।

E10 और E20 दोनों रखने में सबसे बड़ी मुश्किल क्या है?

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती ईंधन की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था है। अगर E10 और E20 दोनों पेट्रोल उपलब्ध कराए जाते हैं तो पेट्रोल पंपों पर अलग-अलग ईंधन रखने के लिए अतिरिक्त भंडारण व्यवस्था करनी होगी। इसके साथ परिवहन और वितरण का पूरा नेटवर्क भी अलग तरीके से संभालना पड़ सकता है। सरकार पहले भी देशभर में पेट्रोल के अलग-अलग ग्रेड उपलब्ध कराने को महंगा और जटिल काम बता चुकी है। इसलिए E10 की वापसी सिर्फ ईंधन बनाने का नहीं, बल्कि पूरी आपूर्ति व्यवस्था का सवाल है। इससे पहले जुलाई में सरकार ने देशभर में पेट्रोल के अलग-अलग ग्रेड उपलब्ध कराने में आने वाली मुश्किलों का हवाला दिया था। अब पुराने वाहनों के मालिकों की चिंता और मुख्य आर्थिक सलाहकार के सुझाव के बाद इस विकल्प पर दोबारा विचार किया जा रहा है।

Stock Market: भारत की कमाई बढ़ी, फिर भी भरोसा घटा; विदेशी निवेशकों को क्यों नहीं भा रहा भारतीय शेयर बाजार?

भारतीय कंपनियों की कमाई बढ़ रही है और चालू तिमाही में विदेशी निवेशकों ने 4 अरब डॉलर से ज्यादा भारतीय शेयरों में लगाए हैं। इसके बावजूद बैंक ऑफ अमेरिका के फंड मैनेजर सर्वे में भारत एशिया का सबसे कम पसंदीदा शेयर बाजार बन गया है। महंगा बाजार, धीमी आर्थिक वृद्धि और एआई से जुड़ी कमजोर संभावनाएं निवेशकों को परेशान कर रही हैं। ऐसे में सवाल है कि कमाई बढ़ने के बावजूद भारत से भरोसा क्यों घट रहा है?बैंक ऑफ अमेरिका के फंड मैनेजर सर्वे में भारत इंडोनेशिया को पीछे छोड़कर एशिया का सबसे कम पसंदीदा शेयर बाजार बन गया है। सर्वे में 272 अरब डॉलर की संपत्ति संभालने वाले 98 फंड मैनेजर शामिल थे। इनमें 32 फीसदी प्रबंधकों ने कहा कि वे भारतीय शेयरों में कम निवेश कर रहे हैं। यह स्थिति ऐसे समय आई है, जब भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन एशिया के कई प्रमुख बाजारों की तुलना में कमजोर रहा है।

निवेशकों को भारत में सबसे ज्यादा किस बात की चिंता है?

विदेशी निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता भारतीय कंपनियों में एआई से जुड़ी स्पष्ट संभावनाओं का अभाव है। इसके अलावा भारत की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार, सुधारों की धीमी गति और शेयरों का ऊंचा मूल्यांकन भी चिंता बढ़ा रहा है। निवेशकों का मानना है कि भारतीय बाजार में शेयरों की कीमतें पहले से काफी ऊंची हैं, जबकि कंपनियों की भविष्य की वृद्धि को लेकर उतना भरोसा नहीं दिख रहा है। इसके मुकाबले ताइवान और जापान निवेशकों की पसंद बने हुए हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम खत्म होने के बाद कूटनीतिक समाधान नहीं निकलने से बाजार पर दबाव बढ़ा। बुधवार को सेंसेक्स लगातार चौथे कारोबारी दिन गिरकर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में लगातार सातवें दिन गिरावट दर्ज हुई। सेंसेक्स 325.78 अंक यानी 0.42 फीसदी गिरकर 76,909.68 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 76.60 अंक यानी 0.32 फीसदी फिसलकर 24,078.30 अंक पर पहुंच गया।पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स कुल 1,170.28 अंक यानी 1.49 फीसदी टूट चुका है। वहीं, निफ्टी सात कारोबारी सत्रों में 505.50 अंक यानी करीब 2 फीसदी गिरा है।

भारतीय कंपनियों के मुनाफे में सुधार हुआ है। हालिया तीन महीने की अवधि में निफ्टी 50 में शामिल कंपनियों की कमाई पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 18 फीसदी बढ़ी है। मार्च के निचले स्तर से निफ्टी करीब 7.5 फीसदी ऊपर आया है। इसके बावजूद इस साल अब तक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की गिरावट है। इससे भारत का प्रदर्शन एशिया के प्रमुख बाजारों में दूसरा सबसे खराब रहा है। यही अंतर निवेशकों के लिए चिंता का कारण बन रहा है।

Gold Silver Price: दिल्ली में सोने का भाव 2,000 रुपये उछला चांदी भी चमकी; वैश्विक तनाव से बाजार में हलचल

दिल्ली में सोने का भाव 2,000 रुपये बढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जबकि चांदी भी 730 रुपये चढ़ी। खुदरा विक्रेताओं और जमाखोरों की खरीदारी के साथ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने धातुओं को सहारा दिया। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को सोने की कीमत में 2,000 रुपये की बड़ी वृद्धि दर्ज की गई। खुदरा विक्रेताओं और जमाखोरों की बढ़ी हुई खरीदारी के कारण यह लगातार दूसरे सत्र में बढ़त पर रहा। चांदी के भाव में भी 730 रुपये का उछाल आया। 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने का भाव 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। सोमवार को यह 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अखिल भारतीय सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, चांदी भी 2,40,730 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। यह दो सत्रों तक 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही।

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की क्या स्थिति है?

वैश्विक स्तर पर हाजिर सोने का कारोबार 0.5 फीसदी की गिरावट के साथ 4,394.57 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर हुआ। चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई। यह एक फीसदी से अधिक गिरकर 65.08 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गई। मीराए एसेट शेयरखान में कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने इस पर टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया से उत्पन्न आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण कच्चा तेल उछला। इसी वजह से सोना 4,392 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास मंडरा रहा था।कोटक सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च के सहायक उपाध्यक्ष कायनात चैनवाला ने कहा कि मजबूत अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और कुछ मुनाफावसूली के कारण हाजिर चांदी में 65 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की ओर नरमी आई। चैनवाला ने यह भी बताया कि इस गिरावट के बावजूद, बुलियन के लिए व्यापक पृष्ठभूमि सकारात्मक बनी हुई है। इसे नरम फेड दर की उम्मीदों, चीन के नेतृत्व में केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी और स्थिर निवेश मांग से समर्थन मिल रहा है।

The Bonus Market Update: क्रूड में तेजी और भू-राजनीतिक तनाव से बाजार में बिकवाली जारी, सेंसेक्स 200 अंक लुढका

बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट जारी रही। सेंसेक्स 200 अंक से अधिक और निफ्टी 24,100 के नीचे बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका-ईरान तनाव ने निवेशक भावना को प्रभावित किया। आइए जानते हैं बाजार का हाल विस्तार से।बुधवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों नीचे आ गए। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं निवेशकों की धारणा पर भारी पड़ीं। एक विशेषज्ञ ने बताया कि अमेरिका-ईरान के बीच 60 दिन का अस्थायी युद्धविराम बिना किसी ठोस राजनयिक सफलता के समाप्त हो गया। इससे ऊर्जा आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान की चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं। इसी कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची हो गई हैं। इसके साथ ही, दीर्घकालिक अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड भी कई वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। एनरिच मनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पोनमुडी आर ने कहा कि इन सभी कारकों ने वैश्विक वित्तीय बाजारों में व्यापक जोखिम-बंद माहौल बना दिया है।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 166.19 अंक गिरकर 77,070.93 पर पहुंच गया। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 59 अंक गिरकर 24,096.75 पर आ गया। सेंसेक्स में टाटा स्टील, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड और महिंद्रा एंड महिंद्रा प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। वहीं, एचसीएल टेक, इंफोसिस, एटर्नल, सन फार्मा और कोटक महिंद्रा बैंक लाभ में रहे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.67 फीसदी बढ़कर 91.63 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने बताया कि बाजार में मौजूदा हल्की कमजोरी के दो मुख्य कारण हैं। पहला, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और दूसरा, विश्व स्तर पर बॉन्ड यील्ड में वृद्धि। उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद से कई महीनों से कच्चे तेल की कीमतें मध्य पूर्व से आने वाली खबरों पर प्रतिक्रिया दे रही हैं। अब इस संघर्ष के परिणाम को लेकर पूरी तरह अनिश्चितता बनी हुई है।

श्वेता तिवारी ने क्यों मांगी एफडीए अधिकारी से मदद?

श्वेता तिवारी अपने एक वीडियो के चलते चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें उन्होंने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंडे से मदद मांगी है। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) के कमिश्नर तुकाराम मुंडे की सोशल मीडिया पर काफी तारीफ हो रही है। नियमों और कानूनों का उल्लंघन करने वाले रेस्टोरेंट, कैंटीन और दूसरी जगहों पर सख्त कार्रवाई करने की वजह से कई लोगों ने इस अधिकारी को असली सिंघम का नाम दिया है। जहां आम लोग अपनी शिकायतें बताने के लिए उन्हें टैग कर रहे हैं, वहीं एक चौंकाने वाले डिलीवरी अनुभव के बाद टीवी स्टार श्वेता तिवारी भी इस मुहिम में शामिल हो गई हैं।

- श्वेता तिवारी ने क्या कहा?श्वेता ने हाल ही में एक क्विक-कॉमर्स ग्रोसरी डिलीवरी ऐप से कोल्ड ड्रिंक्स ऑर्डर किए।
- आरोप है कि ऑर्डर के साथ एक कॉकरोच भी आया।
- तिवारी ने अपने घर में घूमते हुए कॉकरोच का एक वीडियो शेयर किया।
- उन्होंने पोस्ट में मुंडे को टैग करते हुए उनसे इस मामले पर ध्यान देने की अपील की।
- उन्होंने कहा, मुंडे जी, अभी हमारे घर में कॉकरोच आ रहे हैं।

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कॉकरोच का वीडियो शेयर करते हुए, श्वेता तिवारी ने डिलीवरी प्लेटफॉर्म और महाराष्ट्र FDA प्रमुख तुकाराम मुंडे को टैग किया। इस क्लिप में उन्होंने कहा, 'और उसके साथ कॉकरोच भी आ गया। ये देखिए, कॉकरोच पूरे घर में भाग रहा है। ये रहा, छोटा सा। तो, क्या हमें तुकाराम मुंडे जी को टैग करना चाहिए? मुंडे जी, अभी हमारे घर में कॉकरोच आ रहे हैं।

बड़े पर्दे पर कितना बदलेगा 'मिर्जापुर' का अनुभव?

रसिका दुग्गल बोलीं- थिएटर में हर ट्विस्ट का असर अलग होगा

Rasika Dugal Exclusive Interview: 'मिर्जापुर' वेब सीरीज की कहानी अब बड़े पर्दे पर आने वाली है। सीरीज में बीना त्रिपाठी का किरदार निभाने वाली रसिका दुग्गल भी 'मिर्जापुर द मूवी' में नजर आएंगी। अमर उजाला से बातचीत में रसिका ने बताया कि इतने वर्षों तक इस किरदार को निभाने के बाद जब वह फिर बीना बनीं, तो उन्हें इसमें कुछ नया भी देखने को मिला। 'जैसे किसी पुराने किरदार में दोबारा जाना' रसिका कहती हैं, 'मेरे लिए बीना में वापस जाना ऐसा था जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के दिमाग में दोबारा जाना, जिसके साथ मैं कई वर्षों से रह रही हूं। आप किसी किरदार के साथ इतने लंबे समय तक रहते हैं तो उसके बारे में बहुत कुछ आपके भीतर जमा हो जाता है। लेकिन फिर भी जब आप उसे दोबारा निभाते हैं तो उसके कुछ नए पहलू सामने आते हैं। इस बार भी मेरे लिए ऐसा ही था।' बीना को लेकर वह कहती हैं, 'वह हमेशा से समझती रही है कि ताकत सिर्फ शारीरिक शक्ति या अधिकार से नहीं आती। धैर्य, समझदारी, सही समय का इंतजार करने की क्षमता भी ताकत है। सबसे जरूरी बात यह है कि वह जानती है कि उसे खुद को कैसे बचाए रखना है। ये चीजें उसके व्यक्तित्व का हिस्सा हैं।' फिल्म में कहानी के साथ किरदारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर रसिका कहती हैं, 'फिल्म में दांव पहले से बड़े हैं।

Hayden Panettiere Death: हेडन पैनेटीयर के निधन के वक्त मौजूद थे उनके बॉयफ्रेंड, पुलिस रिपोर्ट में हुआ खुलासा

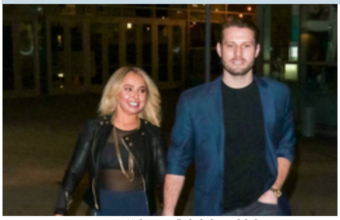

Hayden Panettiere: हॉलीवुड अभिनेत्री हेडन पैनेटीयर का 36 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनकी मौत से जुड़े कई तथ्य सामने आ रहे हैं। आइए जानते हैं नई अपडेट क्या है?

मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री हेडन पैनेटीयर का 36 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह 'हीरोज' और 'नैशविले' जैसे शो के लिए मशहूर थीं। हेडन पैनेटीयर के निधन की पुष्टि उनके प्रतिनिधि ने की है।

मंगलवार को जारी पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, हेडन पैनेटियर के बॉयफ्रेंड ब्रायन हिकरसन और उनके भाई जैक हिकरसन उस साउथ कैरोलिना वाले अपार्टमेंट में मौजूद थे, जहां वीकेंड पर एक्ट्रेस की मौत हुई।

रिपोर्ट में क्या है?रिपोर्ट में कहा गया है कि रविवार दोपहर ग्रीनविले पुलिस का एक अधिकारी उस अपार्टमेंट में गया। अधिकारी ने देखा कि दोनों भाई एक ऐसी महिला को CPR दे रहे थे जो कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रही थी।

अधिकारी ने बताया, 'मरीज के कोई प्रतिक्रिया न देने का कोई साफ शारीरिक कारण नहीं लग रहा था।'

जान बचाने की कोशिशों के बाद, इमरजेंसी कर्मचारियों ने दोपहर 2:31 बजे पैनेटियर को मृत घोषित कर दिया।

उतार-चढ़ाव भरा रिश्ता

पैनेटियर और ब्रायन हिकरसन का रिश्ता कई वर्षों तक उतार-चढ़ाव भरा रहा। 37 के अभिनेता ब्रायन हिकरसन पर गर्लफ्रेंड के साथ मारपीट करने के आरोप भी लगे थे। उन्होंने जीवनसाथी या पार्टनर को चोट पहुंचाने के दो आरोपों पर 'नो कॉन्टेस्ट' की दलील दी। इस मामले में कुछ समय जेल में बिताया।

ऑटोप्सी में नहीं मिले चोट के निशान

अभिनेत्री की मौत की वजह का अभी पता नहीं चला है। मामले की जांच चल रही है। ऑटोप्सी में चोट या सदमे का कोई निशान नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि अधिकारियों को किसी गड़बड़ी या अपराध का कोई संकेत नहीं मिला।

Awarapan 2 VS Batwara 1947

एक हफ्ते से पहले बॉक्स ऑफिस पर लड़खड़ाई आवारापन 2

Awarapan 2 VS Batwara 1947 Collection: फिल्म 'आवारापन' और 'बंटवारा 1947' एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। एक हफ्ते से पहले ही इन फिल्मों के कलेक्शन में गिरावट देखने को मिल रही है। इमरान हाशमी की अदाकारी वाली फिल्म 'आवारापन 2' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा घटने लगा है। सनी देओल की अदाकारी वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' की कमाई में भी गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों फिल्में एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। जानिए 'स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे' ने अब तक कितना कलेक्शन किया है?

- आवारापन 2' की कैसी रही कमाई?ओपनिंग डे पर इसने 22 करोड़ रुपये से खाता खोला था।
- दूसरे दिन इस फिल्म ने 33.75 करोड़ रुपये कमाए।
- तीसरे दिन इसने 26 करोड़ रुपये का कारोबार किया।
- चौथे दिन इसने 9.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।
- पांचवें दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 9.75 करोड़ रुपये कमाए।
- छठे दिन इसने 6.75 करोड़ रुपये जुटाए।
- 'आवारापन 2' का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 107.50 करोड़ रुपये हो चुका है।

आवारापन 2' की स्टारकास्ट

इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की अदाकारी वाली फिल्म 'आवारापन 2' के निर्देशक नितिन कक्कड़ हैं। इसमें शबाना आजमी भी अहम भूमिका में हैं। इमरान हाशमी ने इसमें शिवम के किरदार में वापसी की है।

यह फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई 'आवारापन' की सीक्वल है।

The Traitors 2: क्या रिया को याद आया जिंदगी का सबसे कठिन दौर? कहा- मैं सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली इंसान हूं

Rhea Chakraborty: रिया चक्रवर्ती शो 'द ट्रेटर्स 2' का हिस्सा हैं। इसमें प्रतिभागी या तो ट्रेटर होते हैं या फिर इनोसेंट। ऐसे में जब रिया को कोई ट्रेटर की नजर से देखता है, तो उन्हें कैसा लगता है? इस बारे में उन्होंने बताया है। 'द ट्रेटर्स 2' में किसी पर शक होना खेल का हिस्सा है, मगर रिया चक्रवर्ती के लिए 'ट्रेटर' शब्द शायद बाकी खिलाड़ियों जितना हल्का नहीं है। घर में जब उन पर शक बढ़ता है, तो रिया अपनी जिंदगी के उस दौर को याद करती हैं, जब उन्हें लगता था कि दुनिया ने पहले ही उन्हें ट्रेटर मान लिया था। उनकी सफाई में खेल से ज्यादा उनकी अपनी कहानी सामने आ जाती है। घर में अपने ऊपर हो रहे शक के बीच रिया कहती हैं, 'मैं सच में ट्रेटर नहीं हूं। मैं कैसे बताऊं? मेरा जो नैरेटिव है ना लाइफ का, यही रहा कि दुनिया ने मुझे ट्रेटर समझा लेकिन मैं इनोसेंट निकली हूं।' रिया का इशारा उस दौर की तरफ है, जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उन्हें लंबे समय तक सवालों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। 2025 में सीबीआई ने मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। जांच में रिया के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का सबूत नहीं मिला था

ब्रह्मास्त्र 2 का कितना काम हुआ पूरा?

णबीर कपूर की फिल्म पर आई बड़ी अपडेट इस रोल में नजर आ सकती हैं दीपिका

Brahmastra 2: रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की अदाकारी वाली फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के सीक्वल को लेकर एक अपडेट सामने आई है। आइए जानते हैं सीक्वल पर अब तक क्या जानकारी सामने आई है? रणबीर कपूर इस साल दिवाली पर अपनी बड़ी फिल्म 'रामायण' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'ब्रह्मास्त्र 2' के लिए वह अयान मुखर्जी के साथ फिर से काम कर सकते हैं।

क्या होगा दीपिका का रोल?

जहां रणबीर और आलिया शिव और ईशा के अपने किरदारों को दोहराने के लिए तैयार हैं, वहीं एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी अमृता का किरदार निभाने के लिए फिल्म से जुड़ सकती हैं। फैंस 'ब्रह्मास्त्र' में शिव की मां के तौर पर दीपिका की झलक देखकर बहुत खुश हुए थे। इससे फिल्म में उनके किरदार और सीक्वल में उनकी भूमिका के बारे में उत्सुकता पैदा हुई।

एक-दूसरे के खिलाफ क्यों थे 'बंटवारा 1947' के कलाकार? सनी देओल ने दिया था शबाना आजमी की आलोचना का जवाब

Batwara 1947: फिल्म 'बंटवारा 1947' में एक साथ आए सनी देओल और शबाना आजमी कभी एक दूसरे के खिलाफ थे। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला? राजकुमार संतोषी की बंटवारे पर बनी फिल्म 'बंटवारा 1947' ने सनी देओल और अभिनेत्री शबाना आजमी को बड़े पर्दे पर फिर से एक साथ ला दिया है। जहां उनकी इमोशनल केमिस्ट्री इस ऐतिहासिक कहानी का एक अहम हिस्सा है, वहीं उनके इस नए साथ ने एक पुराने किस्से की यादें भी ताजा कर दी हैं। उस वक्त सनी ने शबाना की तरफ से उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' की आलोचना पर कड़ा रिएक्शन दिया था।

- गदर' पर क्या बोलीं थीं शबाना?साल 2001 में, 'गदर: एक प्रेम कथा' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धूम मचाई थी।
- यह अपने समय की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई थी।
- इस फिल्म को बंटवारे, राष्ट्रवाद और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को दिखाने के तरीके को लेकर आलोचना का सामना भी करना पड़ा था।
- शबाना आजमी उन प्रमुख लोगों में से थीं जिन्होंने फिल्म में इन मुद्दों को दिखाए जाने के तरीके पर सवाल उठाए थे।
- बीबीसी के मुताबिक, अनुभवी अभिनेत्री ने फिल्म की कहानी की आलोचना की थी और इसे भड़काऊ बताया था।

पोर्टल ने शबाना आजमी के हवाले से लिखा था ''गदर' राष्ट्रवाद, धर्म और पहचान के मुद्दों को उलझा देती है, जबकि यह बंटवारे से पैदा हुए दर्द की जटिलताओं को ठीक से नहीं दिखाती।' उन्होंने फिल्म को भड़काऊ भी बताया और कहा कि यह 'मुसलमानों को 'दूसरे' (अलग) के तौर पर पेश करती है। सनी देओल, जो अक्सर अपनी बात बेबाकी से कहने के लिए जाने जाते हैं, ने इस आलोचना को हल्के में नहीं लिया। इंडिया फोरम्स के साथ बातचीत में अभिनेता ने शबाना की बातों का सीधा जवाब दिया और फिल्म के मकसद का बचाव किया

Aaj Ka Rashifal 20 August

मेष और सिंह राशि वालों की बढ़ेगी तरक्की, मिलेंगे नए अवसर

Aaj Ka Rashifal 20 August 2026: आज का दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए खास रहने वाला है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर करियर, कारोबार, धन और रिश्तों पर देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं आज का दिन आपके लिए कैसा रहेगा।

Aaj Ka Rashifal 20 August 2026: आज का दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के लिहाज से कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। किसी राशि के जातकों को करियर और कारोबार में नए अवसर मिल सकते हैं, तो कुछ लोगों को आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले लेने की जरूरत होगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां सामने आ सकती हैं, जबकि व्यापारियों को अपने काम में आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। वहीं, पारिवारिक और प्रेम संबंधों के लिहाज से भी दिन मिला-जुला रह सकता है।

मेष

आज किस्मत आपका पूरा साथ देती नजर आ रही है। व्यापार में सफलता के अच्छे संकेत हैं और नौकरीपेशा लोगों के लिए प्रमोशन या नई जिम्मेदारी की चर्चा हो सकती है। आपकी मेहनत अब लोगों की नजर में आएगी और काम की तारीफ भी मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों का जनसमर्थन बढ़ सकता है। नए घर का सपना भी अब पूरा होने की दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। किसी बड़े फैसले से पहले पिता की सलाह और आशीर्वाद जरूर लें।

वृषभ

आज मन को सुकून देने वाली खबर मिल सकती है। लंबे समय से चल रही कोई चिंता धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएगी। ननिहाल पक्ष से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे चेहरे पर खुशी आएगी। सरकारी दफ्तरों में अटके काम भी गति पकड़ सकते हैं। हालांकि, हर मामले में अपनी राय देना जरूरी नहीं है। आज समय और धन का सही इस्तेमाल करेंगे तो दिन आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगा।

मिथुन

आज किसी नई शुरुआत के लिए माहौल बन सकता है, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी है। दिल की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से आपको खुशी मिलेगी। परिवार के साथ खास समय बिताने का अवसर मिलेगा और जीवनसाथी तथा बच्चों के साथ रिश्ते और मधुर होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज एकाग्रता सबसे जरूरी रहेगी। किसी बात पर बहस करने से बचें, क्योंकि छोटी सी बात बेवजह बड़ा विवाद बन सकती है।

कर्क

आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन परिवार और अपनों का साथ इसे खास बना देगा। घर में साफ-सफाई, सजावट या मेहमानों के आने से माहौल खुशनुमा रहेगा। कानूनी मामलों में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतें और किसी कागज या प्रक्रिया को हल्के में न लें। पड़ोसियों के साथ अपनी निजी बातें साझा करने से बचना बेहतर होगा। शांति बनाए रखेंगे तो दिन आराम से बीतेगा।

सिंह

आज आपके लिए चमकने और आगे बढ़ने का दिन है। नए लोगों से मुलाकात आपके लिए भविष्य के नए रास्ते खोल सकती है। परिवार और दोस्तों का भरपूर सहयोग मिलेगा। पिछली गलतियों से सीख लेकर आप इस बार ज्यादा समझदारी से कदम बढ़ाएंगे। कला, रचनात्मकता और किसी खास हुनर में निखार आएगा। पुराने कर्ज से राहत मिलने के भी संकेत हैं। हालांकि, हर नई पहचान को तुरंत अपना समझने की भूल न करें।

कन्या

आज आपकी मीठी वाणी और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेंगे। आप जिस तरह अपनी बात रखेंगे, उससे लोग आसानी से आपकी ओर आकर्षित होंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन शानदार रह सकता है और पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। लंबे समय से अटके काम अब धीरे-धीरे पूरे होने लगेंगे। घूमने या यात्रा के दौरान कोई ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो आगे आपके काम आए। किसी सामाजिक कार्यक्रम में जाना नए अवसर का रास्ता भी खोल सकता है।

तुला

आज धन और आत्मविश्वास दोनों आपका साथ देंगे। आपकी रचनात्मक सोच आपको किसी नई उपलब्धि तक पहुंचा सकती है। साझेदारी में किए गए कामों में सफलता मिलने के संकेत हैं। हालांकि, किसी को उधार पैसा देने से पहले अच्छी तरह सोच लें, क्योंकि वापसी में परेशानी हो सकती है। आज दूसरों की सलाह से ज्यादा अपने अनुभव पर भरोसा करना आपके लिए सही रहेगा। यही अनुभव आपको सही दिशा दिखाएगा।

वृश्चिक

आज आपका आकर्षण और आत्मविश्वास लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचेगा। मेहनत का पूरा फल मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और लंबे समय से चली आ रही चिंता भी कम हो सकती है। हालांकि, पिता की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है। किसी के बहकावे में आकर बड़ा जोखिम लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में दबाव जरूर रहेगा, लेकिन आपकी क्षमता आपको हर स्थिति को संभालने में मदद करेगी।

धनु

आज का दिन कुछ खुशियां और कुछ सीख लेकर आएगा। पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है और संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतर सकती है। हालांकि, हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा। मेहनत करने के बावजूद परिणाम आपकी उम्मीद से थोड़ा कम मिल सकता है, लेकिन इसे असफलता न समझें। यह समय आपको आगे के लिए तैयार कर रहा है। किसी से भी वादा करने से पहले अपनी स्थिति और क्षमता जरूर जांच लें।

मकर

आज दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा और दिल की कोई इच्छा भी पूरी हो सकती है। लंबे समय से अटके कामों को पूरा करने पर ध्यान देने का सही समय है। मां की सेहत से जुड़ा खर्च बढ़ सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। परिवार में प्रॉपर्टी को लेकर चर्चा या कोई हलचल हो सकती है। दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा उलझने के बजाय अपने काम और लक्ष्यों पर ध्यान देना आपके लिए बेहतर रहेगा।

कुंभ

आज नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के सामने कोई अच्छा अवसर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत से बॉस प्रभावित होंगे और आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। दूसरों की मदद करने की आपकी आदत आपको लोगों के बीच खास बनाएगी, लेकिन इसके साथ अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना भी जरूरी है। बच्चों की छोटी-छोटी खुशियां आज आपका ध्यान खींचेंगी। यात्रा के दौरान वाहन से जुड़ी कोई समस्या अचानक खर्च बढ़ा सकती है, इसलिए सावधानी रखें।

मीन

आज अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना आपके लिए सबसे जरूरी रहेगा। वाणी में संयम रखें, क्योंकि आपकी कही कोई बात गलत समझी जा सकती है और मामला बिगड़ सकता है। मेहनत का फल निश्चित रूप से मिलेगा, लेकिन इसके लिए थोड़ा धैर्य रखना होगा। किसी भी जानकारी को बिना जांचे-परखे आगे साझा न करें, वरना परेशानी हो सकती है। सरकारी काम में रुकावट आ सकती है, इसलिए धैर्य से प्रक्रिया पूरी करें। बच्चों से किया कोई वादा जरूर निभाएं, इससे आपके रिश्ते में विश्वास और मजबूती बढ़ेगी।

Aaj Ka Love Rashifal

सिंह और मकर राशि वालों की लव लाइफ में बढ़ेगा प्यार, रिश्तों में आएगी मिठास

Aaj Ka Love Rashifal 20 August 2026: आज ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर प्रेम और रिश्तों पर देखने को मिल सकता है। किसी राशि के जातकों के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ेंगी, तो कुछ लोगों को पार्टनर के साथ गलतफहमी से बचना होगा। आइए जानते हैं मेष से मीन राशि तक आज का लव राशिफल और कैसा रहेगा आपका प्रेम जीवन।

Aaj Ka Love Rashifal 20 August 2026: प्रेम और रिश्तों के लिहाज से आज का दिन कई राशियों के लिए खास रहने वाला है। ग्रह-नक्षत्रों की चाल का असर आपके प्रेम जीवन, पार्टनर के साथ रिश्ते और वैवाहिक जीवन पर देखने को मिल सकता है। कुछ लोगों के रिश्तों में प्यार और नजदीकियां बढ़ेंगी, जबकि कुछ जातकों को छोटी-छोटी बातों को लेकर सावधानी बरतनी होगी। जो लोग किसी को पसंद करते हैं, उनके लिए आज अपनी भावनाएं सामने रखने का अच्छा मौका मिल सकता है। वहीं, रिलेशनशिप में रहने वाले लोगों को पार्टनर की भावनाओं को समझने और खुलकर बातचीत करने की जरूरत होगी। शादीशुदा लोगों के लिए भी दिन मिला-जुला रह सकता है। मेष से मीन राशि तक आज प्रेम के मामले में सितारे आपका कितना साथ देंगे, पार्टनर के साथ रिश्ता कैसा रहेगा और किन बातों से बचना चाहिए, आइए जानते हैं 20 अगस्त 2026 का लव राशिफल।

Guru In Kark Rashi 2026

अक्तूबर तक इन राशियों के लिए समय रहेगा लाभकारी, नौकरी-परीक्षा में भाग्य देगा साथ

Guru In Kark Rashi 2026: गुरु के कर्क में होने से कुछ राशि वालों को किस्मत का भरपूर साथ मिल सकता है। साथ ही संतान और यात्राओं से जुड़ी बाधाओं से भी राहत मिलने की संभावना है। ऐसे में आइए जानते हैं कि, अक्तूबर तक किन राशि वालों के लिए समय लाभकारी साबित हो सकता है।

Guru In Kark Rashi 2026: ज्योतिष में सूर्य जहां आत्मविश्वास के कारक माने जाते हैं, वहीं गुरु भाग्य, ज्ञान-सफलता और उन्नति के ग्रह हैं। कुंडली में उनका प्रभाव व्यक्ति की किस्मत और जीवन के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर गहरा असर डालता है। यही नहीं, गुरु अपने गोचर से भी राशियों को लाभ और सफलता प्रदान करते हैं। वर्तमान में वह कर्क राशि में विराजमान हैं। ज्योतिषियों की मानें तो देवगुरु बृहस्पति यानी गुरु कर्क राशि में उच्च के होते हैं, इसलिए उन्हें अधिक बलवान और शुभ माना गया है। गुरु यहां 31 अक्तूबर तक बने रहेंगे। ऐसे में अक्तूबर तक का यह समय कुछ राशियों के लिए नए अवसर लेकर आ सकता है। साथ ही उनका असर जातकों के भाग्य को भी मजबूत बना सकता है। इस दौरान नौकरी, परीक्षा और करियर में मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होने के योग भी बन सकते हैं। ऐसे में आइए इन भाग्यशाली राशियों के नाम जानते हैं।

Chandra Grahan 2026

चंद्र ग्रहण के दिन राहु-चंद्रमा की युति, इन 3 राशियों को रहना होगा सतर्क

Chandra Grahan Remedies: रक्षा बंधन के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दौरान कुंभ राशि में चंद्रमा के साथ राहु की युति बनेगी जबकि इसके ठीक अगली राशि मीन में शनि देव स्थित रहेंगे।

Chandra Grahan Effects on Zodiac Signs: 28 अगस्त 2026 को रक्षा बंधन के दिन चंद्र ग्रहण लगने वाला है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दौरान कुंभ राशि में चंद्रमा के साथ राहु की युति बनेगी, जबकि इसके ठीक अगली राशि मीन में शनि देव स्थित रहेंगे। ऐसे में चंद्रमा पर राहु और शनि, दोनों ग्रहों का प्रभाव पड़ने की स्थिति बनेगी। ज्योतिष में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक स्थिति का कारक माना जाता है। वहीं राहु के प्रभाव से भ्रम और बेचैनी बढ़ सकती है, जबकि शनि भावनात्मक दबाव और कार्यों में देरी का संकेत देता है। ऐसे में कुछ राशियों को इस अवधि में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

Rahu Ketu Gochar: दिसंबर तक इन 3 राशि के लोगों पर रहेगी राहु-केतु की नजरें, उठाना पड़ सकता है नुकसान

Rahu Ketu Gochar In 2026 Kumbh And Singh: राहु और केतु साल के अंत में गोचर करेंगे। हालांकि, जबतक वह कुछ राशि वालों पर अपनी नजरें बनाकर रख सकते हैं। इससे जातकों को धन, यात्रा और सेहत से जुड़ी परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

Rahu Ketu Gochar In 2026 Kumbh And Singh: राहु और केतु ज्योतिष में बेहद प्रभावशाली ग्रह माने जाते हैं। हालांकि, इन्हें छाया ग्रह कहा जाता है। दोनों का स्वभाव अलग-अलग होने के कारण इनका प्रभाव भी जातकों के जीवन पर अलग-अलग रूपों में देखने को मिलता है। केतु जहां अध्यात्म और वैराग्य के कारक माने जाते हैं, वहीं राहु अचानक होने वाले बदलावों और अप्रत्याशित परिस्थितियों को दर्शाते हैं। वर्तमान में ये दोनों ग्रह शनि और सूर्य की राशि में विराजमान हैं। बता दें, राहु कुंभ में और केतु सिंह राशि में गोचर कर रहे हैं। अब साल के अंत में ये दोनों ग्रह अपनी उल्टी चाल से अगला गोचर करेंगे। तब तक कुछ राशि वालों पर इनका विशेष प्रभाव बना रह सकता है। ऐसे में जातकों को काम, रिश्तों, यात्रा और सेहत के मामलों में सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है। आइए जानते हैं किन राशियों को दिसंबर तक संभलकर रहने की जरूरत है।

Duleep Trophy: बीसीसीआई ने क्यों बदला दलीप ट्रॉफी के फाइनल का वेन्यू बंगलूरु से चेन्नई शिफ्ट करने की वजह?

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दर्शकों की संख्या को लेकर कुछ सीमाएं हैं। ऐसे में फाइनल को ऐसे मैदान में कराने का फैसला किया गया, जहां अधिक संख्या में प्रशंसक पहुंचकर मुकाबले का हिस्सा बन सकें।

देवजीत सैकिया, बीसीसीआई सचिव

बीसीसीआई ने दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल का वेन्यू बंगलूरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बदलकर चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम कर दिया है। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के फाइनल मुकाबले का आयोजन अब बंगलूरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में नहीं, बल्कि चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को फाइनल का वेन्यू बदलने का फैसला किया। टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला छह से 10 सितंबर के बीच खेला जाएगा। बीसीसीआई ने बताया कि फाइनल को चेन्नई शिफ्ट करने का मुख्य कारण ज्यादा से ज्यादा दर्शकों को स्टेडियम में मुकाबला देखने का मौका देना है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दर्शकों की संख्या को लेकर कुछ प्रतिबंध हैं, जिसके चलते बोर्ड ने फाइनल के लिए बड़े और दर्शकों के अनुकूल वेन्यू का चयन किया है।

23 अगस्त से बंगलूरू में शुरू होंगे मुकाबले

दलीप ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले तय कार्यक्रम के अनुसार बंगलूरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ही खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 23 अगस्त से होगी। पहले दिन ईस्ट जोन का सामना नॉर्थ ईस्ट जोन से होगा, जबकि नॉर्थ जोन और वेस्ट जोन की टीमें भी आमने-सामने होंगी। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि फाइनल को छोड़कर दलीप ट्रॉफी के बाकी मुकाबले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ही निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेले जाएंगे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि दलीप ट्रॉफी भारतीय घरेलू क्रिकेट कैलेंडर का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसका समृद्ध इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि बोर्ड चाहता है कि प्रशंसकों को इस प्रतिष्ठित प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के फाइनल को स्टेडियम में लाइव देखने का अवसर मिले। सैकिया के मुताबिक, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में दर्शकों की संख्या को लेकर कुछ सीमाएं हैं। ऐसे में फाइनल को ऐसे मैदान में कराने का फैसला किया गया, जहां अधिक संख्या में प्रशंसक पहुंचकर मुकाबले का हिस्सा बन सकें। बीसीसीआई ने दलीप ट्रॉफी के कवरेज को भी बढ़ाने का फैसला किया है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले लाइव स्ट्रीम किए जाएंगे।

WTC Table Update:

श्रीलंका पर जीत से भारत की स्थिति सुधरी कितना हुआ अंक प्रतिशत

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	टाई	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	9	7	2	0	0	84	77.78%
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	0	36	75.00%
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	0	52	72.22%
4	बांग्लादेश	5	3	1	1	0	40	66.67%
5	भारत	10	5	4	1	0	64	53.33%
6	श्रीलंका	5	1	2	2	0	20	33.33%
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	0	38	24.36%
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	0	16	22.22%

गॉल टेस्ट में श्रीलंका को हराकर भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाने के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अपनी स्थिति भी बेहतर कर ली है। इस जीत से भारत का अंक प्रतिशत 48.15 से बढ़कर 53.33 हो गया है। अब टीम इंडिया के आठ टेस्ट बाकी हैं और फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए हर जीत बेहद अहम होगी। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत ने भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025-27 की अंक तालिका में बड़ी राहत दी है। मुकाबले से पहले पांचवें स्थान पर मौजूद टीम इंडिया ने जीत के साथ अपने खाते में 12 अंक जोड़े और अब उसके कुल 64 अंक हो गए हैं। इसके साथ ही भारत का अंक प्रतिशत (PCT) 48.15 से बढ़कर 53.33 प्रतिशत हो गया है। भारत ने इसी के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में श्रीलंका पर 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा।

- ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका के सामने 372 रन का लक्ष्य रखा था। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया और 206 रन पर समेट दिया। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली है। गॉल टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी की नींव देवदत्त पडिक्कल के शानदार 167 रन ने रखी। इसके बाद दूसरी पारी में भी भारतीय बल्लेबाजों ने जरूरी योगदान दिया। गेंदबाजी में स्पिनरों ने श्रीलंका पर दबाव बनाए रखा और टीम इंडिया ने मुकाबले को अपने नाम किया। गॉल टेस्ट के बाद भारत 10 मैचों में पांच जीत, चार हार और एक ड्रॉ के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके खाते में 64 अंक हैं और अंक प्रतिशत 53.33 प्रतिशत है।
- ऑस्ट्रेलिया 77.78 अंक प्रतिशत के साथ शीर्ष पर मौजूद है। दक्षिण अफ्रीका 75 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे और न्यूजीलैंड 72.22 अंक प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है।

ODI World Cup 2027

वनडे विश्वकप को लेकर हरभजन की कोच गंभीर को खास सलाह

4-5 महीने पहले ही ऐसा कर लेने को कहा

वनडे विश्व कप 2027 में अब करीब एक साल का वक्त है, लेकिन टीम इंडिया को लेकर मंथन अभी से तेज है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोच गौतम गंभीर को खास सलाह देते हुए टीम को विश्व कप से चार-पांच महीने पहले तक तय करने की बात कही है। सवाल है कि गंभीर कब तक प्रयोग जारी रखेंगे? वनडे विश्वकप 2027 को आने में अभी लगभग एक साल का वक्त बचा है। हालांकि, सभी टीमें इसकी तैयारियों में जुट गई हैं। कुछ टीमें लगातार प्रयोग कर रही हैं, वहीं कुछ टीमों की नजर अपने कोर खिलाड़ियों को लगातार मौका देने पर है। इसी कड़ी में भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि गंभीर को अभी जितने प्रयोग करने हैं कर लें, लेकिन विश्वकप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले टीम तय करना होगा और उन्हें पता होना चाहिए कि कौन से 15 खिलाड़ी विश्वकप खेलने जा रहे हैं।

भज्जी ने गंभीर को क्या दी सलाह?

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में हरभजन ने कहा, 'भारतीय टीम में कई विकल्प हैं और उनमें से किसी एक को चुनना बेहद मुश्किल है। लेकिन गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम को कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्हें उन वेन्यू और कंडीशन का पता करना होगा, जिनमें भारत 2027 वनडे विश्वकप खेलने जा रहा है। गंभीर को फिर उसी के मुताबिक टीम बनानी होगी। एक साल का समय पर्याप्त समय है। मेरा मानना है कि विश्व कप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले तक टीम तय हो जानी चाहिए। उन्हें कई चीजों को ध्यान में रखना होगा और अभी से प्रयोग करने होंगे, ताकि उन खिलाड़ियों की पहचान की जा सके जो टूर्नामेंट के दौरान भारत के लिए अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकें।'

टीम में कई विकल्प होना अच्छा सिरदर्द'

हरभजन ने कहा, 'भारत के पास कई विकल्प हैं। जब आपके पास कई विकल्प होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द है।

हरभजन ने समझाया कोहली और धोनी की कप्तानी में अंतर

गंभीर पर कहा- वह दिल के अच्छे लोगों को सच पसंद नहीं

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी के बीच अंतर बताते हुए कहा कि कोहली ने टीम की सोच बदल दी। उन्होंने फिटनेस और फील्डिंग में कोहली के योगदान को भी अहम बताया। वहीं, गौतम गंभीर का बचाव करते हुए हरभजन ने कहा कि वह दिल के अच्छे हैं और सच बोलते हैं। भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली और एमएस धोनी की कप्तानी के अंदाज में क्या फर्क था और मौजूदा कोच गौतम गंभीर को लेकर लोगों की राय क्यों अलग है? पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने दोनों मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कोहली की कप्तानी की सबसे बड़ी खासियत बताते हुए गंभीर का भी बचाव किया और कहा कि वह दिल के अच्छे इंसान हैं, लेकिन लोगों को उनका सच बोलना पसंद नहीं आता। हरभजन ने 2010-11 के ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय कोहली ने रन बनाने के साथ-साथ टीम की सोच पर भी असर डालना शुरू कर दिया था। उनके मुताबिक, धोनी की कप्तानी में जहां कई बार मुश्किल लक्ष्य को हासिल करना लगभग असंभव माना जाता था, वहीं कोहली का रवैया था कि लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, उसे हासिल करने की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। हरभजन ने कहा, 'विराट ने जो सबसे सरल बदलाव किया, वह मानसिकता का था। टेस्ट के पांचवें दिन कई बार ऐसी स्थिति आती थी जब हमें लगता था

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

AFG vs IRE ODI: दो शतक 231 रन की साझेदारी और बना ऐतिहासिक स्कोर आयरिश गेंदबाजों पर हावी हुए अफगानी बल्लेबाज

अटल और जादरान के शतकों का धमाल
अफगानिस्तान ने बनाया वनडे का सबसे बड़ा स्कोर

सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 343/9 का स्कोर बनाया। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि अटल-जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ चौथे वनडे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 343 रन बनाए। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 339 रन था, जो उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था।

अटल-जादरान ने संभाली पारीटॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने पारी को संभालते हुए आयरिश गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों में 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की ओर से दूसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है

आखिरी ओवरों में लड़खड़ाई अफगानिस्तान की टीम

अटल और जादरान के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी थोड़ी धीमी पड़ गई। दरविश रसूली ने 14 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई 12 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रहमत शाह सिर्फ 2 रन बना सके। राशिद खान ने 10 गेंदों में 11 रन बनाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गजनफर खाता नहीं खोल सके। अफगानिस्तान ने आखिरी दो ओवरों में तीन विकेट गंवाए, जिसके कारण टीम 350 रन का आंकड़ा पार करने से चूक गई। आयरलैंड की ओर से बायरन मैकडोनो ने तीन विकेट लिए, जबकि मार्क रिचर्ड एडायर और गेविन होए को दो-दो सफलता मिली। 339 रन का रिकॉर्ड टूटा

अफगानिस्तान के 343 रन के साथ ही टीम ने अपना पिछला वनडे रिकॉर्ड तोड़ दिया। उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए 339/6 के स्कोर को पीछे छोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में अपना नया सर्वोच्च स्कोर बनाया। अटल और जादरान की शतकीय पारियों ने इस ऐतिहासिक स्कोर की नींव रखी। इब्राहिम जादरान ने शानदार लय में बल्लेबाजी करते हुए 118 गेंदों में 107 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं, सेदिकुल्लाह अटल ने इससे भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 120 गेंदों में 143 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके और चार छक्के लगाए। अटल और जादरान की यह साझेदारी 50 ओवर के प्रारूप में अफगानिस्तान की किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा, यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में केवल चौथा मौका जब एक ही मैच में टीम के दो बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं।

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300